चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-1-26	4	3-6

कार्यक्रम • हकृवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 संपन्न

लाइब्रेरी केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान का माध्यम भी है : प्रो. बीआर काम्बोज

भास्कर न्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 संपन्न हो गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेवराज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कॉन्क्लेव में एएसएलआईपी के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार व सचिव डॉ. राजकुमार उपस्थित रहे। प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर विस्तृत एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

एचएयू में कॉन्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवॉर्ड देकर सम्मानित करते हुए कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

पुस्तकालय ज्ञान का प्रसार और संरक्षण करने, संस्कृति और संस्कारों का विकास करने, समाज का बौद्धिक विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने बताया डिजिटल युग में भी पुस्तकालय बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अपने अध्ययन, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय एक उपयुक्त स्थल है। पुस्तकालय व्यक्ति के नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय प्राचीन और आधुनिक पुस्तकों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को सुरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। लाइब्रेरी तेजी से स्मार्ट, सहयोगी और प्रौद्योगिकी संचालित ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हो रही हैं। कृषि विज्ञान और इसके संबंध विषयों के क्षेत्र में लाइब्रेरी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वे कृषि के बौद्धिक क्षेत्र के रूप में कार्य करती हैं जहां अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों को समृद्ध करने के लिए ज्ञान बोया, उगाया और काटा जाता है। उन्होंने बताया कि नवाचार को आधार देने वाली जड़ों और निरंतर वैज्ञानिक प्रगति को पोषित करने वाले चैनलों के रूप में कार्य करते हुए लाइब्रेरी कृषि विज्ञान, बागवानी, पशु चिकित्सा, विज्ञान, मत्स्य पालन, डेयरी विज्ञान, खाद्य, प्रौद्योगिकी और कृषि इंजीनियरिंग सहित विषयों के एक व्यापक स्पेक्ट्रम का समर्थन करते हैं। कॉन्क्लेव में डॉ. वेंकट राव पोकरी, राज टिहरी डॉ परमिंदर कौर सैनी, जहांगीर ख़ान, डॉ. दीप्ति मदान, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार, त्रिदीब चट्टोपाध्याय व सरदार जंग बहादुर सिंह पन्नू को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डॉ. आरपी कुमार ने कॉन्क्लेव की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10-1-26	6	1-5

पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं ज्ञान और सामाजिक विकास का माध्यम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय एएसएलआइपी कान्क्लेव का समापन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन आफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलि[illegible] बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआइपी कान्क्लेव-2025 संपन्न हुआ। समापन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कान्क्लेव में एएसएलआइपी के अध्यक्ष डा. आरपी कुमार व सचिव डा. राज कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर वि[illegible] एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुस्तकालय ज्ञान का प्रसार और संरक्षण करने, संस्कृति और संस्कारों का विकास करने, समाज का बौद्धिक विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकालय बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहें हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकें शिक्षा का आधार और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। ये हमें विविध विषयों की जानकारी, बेहतर संचार कौशल, एकाग्रता और तनाव मुक्ती प्रदान करती हैं।

कान्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड देकर सम्मानित करते मुख्य अतिथि।

कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अपने अध्ययन, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय एक उपयुक्त स्थल है। पुस्तकालय व्यक्ति के नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय प्राचीन और आधुनिक पुस्तकों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को सुरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

कर्मचारियों और अधिकारियों का डाटाबेस बनाया जाए : डा. आरपी

डा. आरपी कुमार ने कान्क्लेव की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों का डाटाबेस बनाया जाएं जो आवश्यकता पड़ने पर अपनी सेवाएं दे सकें। डा. अनिल कुमार सिवाच ने कान्क्लेव के दौरान आयोजित किए विभिन्न तकनीकी सत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कान्क्लेव -2025 की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। पूर्व लाइब्रेरियन डा. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत किया जबकि हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डा. राजीव के पटेरिया ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। गौरतलब है कि कान्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	10.1.26	4	1-3

ज्ञान के प्रसार के साथ संस्कृति संरक्षण में भी पुस्तकालय अहम

एचएयू में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव संपन्न

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। डिजिटल और ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ये शिक्षा का आधार बने हुए हैं और व्यक्तित्व विकास में सहायक हैं। ज्ञान का प्रसार करने, समाज का बौद्धिक विकास करने और संस्कृति संरक्षण में भी योगदान देते हैं। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कही।

वह नेहरू पुस्तकालय की ओर से एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स (एएसएलआईपी) के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव-2025 के समापन पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कुलपति ने कहा कि पुस्तकालय अब सिर्फ पुस्तकों का संग्रह नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का प्रमुख केंद्र बन चुके हैं। ये शिक्षा, अनुसंधान, सांस्कृतिक विकास और मनोरंजन को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाते हैं।

कॉन्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित करते सम्मानित अतिथि। स्रोत : विवि

कृषि विज्ञान में पुस्तकालयों की अहम भूमिका

कुलपति ने बताया कि कृषि विज्ञान के क्षेत्र में पुस्तकालय महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये शोध, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों को समृद्ध करने के लिए ज्ञान का प्रसार करते हैं। कृषि के विभिन्न विषयों जैसे बागवानी, पशु चिकित्सा, खाद्य प्रौद्योगिकी, और कृषि इंजीनियरिंग में पुस्तकालय एक केंद्रीय ज्ञान संसाधन के रूप में कार्य करते हैं।

कार्यक्रम में डॉ वेंकट राव पोकरी, राज टिहरी, डॉ.परमिंदर कौर सैनी, जहांगीर खान, डॉ दीप्ति मदान, डॉ. राजीव , डॉ. सीमा परमार, त्रिदीब चट्टोपाध्याय व सरदार जंग बहादुर सिंह पन्नू को सम्मानित किया गया। इस दौरान एएसएलआईपी के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार व सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-1-26	5	3-5

पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान और सामाजिक विकास का माध्यमः प्रो. काम्बोज

मुख्यातिथि कॉन्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड देकर सम्मानित करते हुए

हिसार, 9 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज़ टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आर पी. कुमार व सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर विस्तृत एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। कॉन्क्लेव में डॉ वेंकट राव पोकरी, राज टिहरी डॉ. परमिंदर कौर सैनी, जहांगीर खान, डॉ दीप्ति मदान, डॉ राजीव पटेरिया, डॉ सीमा परमार, त्रिदीब चट्टोपाध्याय व सरदार जंग बहादुर सिंह पत्रू को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डॉ. आर.पी. कुमार ने कॉन्क्लेव की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.1.26	5	5-8

पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान और सामाजिक विकास का माध्यम : प्रो. काम्बोज

मुख्यातिथि कॉन्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड देकर सम्मानित करते हुए।

हिसार, 9 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज़ टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार व सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे।

प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर विस्तृत एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ये हमें

हकृवि में ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव सम्पन्न

विविध विषयों की जानकारी, बेहतर संचार कौशल, एकाग्रता और तनाव मुक्ती प्रदान करती हैं। कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अपने अध्ययन, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय एक उपयुक्त स्थल है। पुस्तकालय व्यक्ति के नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करते हैं। कॉन्क्लेव में डॉ वेंकट राव पोकरी, श्रीमती राज टिहरी डॉ परमिंदर कौर सैनी, जहांगीर ख़ान, डॉ दीप्ति मदान, डॉ राजीव पटेरिया, डॉ सीमा परमार, त्रिदीब चट्टोपाध्याय व सरदार जंग बहादुर सिंह पन्नू को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डॉ. आरपी कुमार ने कॉन्क्लेव की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों का डाटाबेस बनाया जाएं जो आवश्यकता पडने पर अपनी सेवाएं दे सकें। डॉ. अनिल कुमार सिवाच ने कॉन्क्लेव के दौरान आयोजित किए विभिन्न तकनीकी सत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कॉन्क्लेव - 2025 की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

पूर्व लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत किया जबकि हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। गौरतलब है कि कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल रहे। मंच का संचालन डॉ. कनिका रानी ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	10-1-26	11	2-6

हकृवि में दो दिवसीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव का समापन

ज्ञान व सामाजिक विकास का माध्यम होते पुस्तकालयः प्रो. बीआर काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा है कि डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर विस्तृत एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। प्रो. बीआर कम्बोज शुक्रवार को नेहरू पुस्तकालय की ओर से एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंसः बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज़ टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव-2025 के समापन अवसर पर संबोधन दे रहे थे। कॉन्क्लेव में एएसएलआईपी के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार व सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कुलपति ने बताया कि पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुस्तकालय ज्ञान का प्रसार और संरक्षण करने, संस्कृति और संस्कारों का विकास करने, समाज का बौद्धिक विकास करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकालय बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहें हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकें शिक्षा का आधार और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। ये हमें विविध विषयों की जानकारी, बेहतर संचार कौशल, एकाग्रता और तनाव मुक्ती प्रदान करती हैं। कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अपने अध्ययन, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय एक उपयुक्त स्थल है। पुस्तकालय व्यक्ति के नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय प्राचीन और आधुनिक पुस्तकों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को सुरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। लाइब्रेरी तेजी से स्मार्ट, सहयोगी और प्रौद्योगिकी संचालित ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हो रही हैं। कृषि विज्ञान और इसके संबंध विषयों के क्षेत्र में लाइब्रेरी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हिसार। कॉन्क्लेव में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को अवार्ड देकर सम्मानित करते मुख्यातिथि।

कॉन्क्लेव में डॉ. वेंकट राव पोकरी

राज टिहरी, डॉ. परमिंदर कौर सैनी, जहांगीर खान, डॉ. दीप्ति मदान, डॉ. राजीव पटेरिया, डॉ. सीमा परमार, त्रिदीब चट्टोपाध्याय व सरदार जंग बहादुर सिंह पन्नू को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। डॉ. आरपी कुमार ने कॉन्क्लेव की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों और अधिकारियों का डाटाबेस बनाया जाए जो आवश्यकता पड़ने पर अपनी सेवाएं दे सकें। डॉ. अनिल कुमार सिवाच ने कॉन्क्लेव के दौरान आयोजित किए विभिन्न तकनीकी सत्रों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कॉन्क्लेव -2025 की रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। पूर्व लाइब्रेरियन डॉ. बलवान सिंह ने सभी का स्वागत किया जबकि हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने कार्यक्रम में सभी का धन्यवाद किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10.1.26	5	1-3

विद्या, धन और ताकत का सकारात्मक इस्तेमाल ज़रूरी : प्रो. इन्द्र मणी

मुख्यातिथि प्रो. इन्द्र मणी पुस्तिका का विमोचन करते हुए।

हकृवि में ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव शुरू

हिसार, 9 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इन्फार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलब्रेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 का शुभारंभ हुआ। कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र के दौरान वसंतराव नाइक मराठवाड़ा कृषि विद्यापीठ, परभणी, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो इन्द्र मणी बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. आरपी कुमार, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के पूर्व उपनिदेशक एवं मुख्य वक्ता डॉ. सुखदेव सिंह व ए.एस.एल.आई.पी. के सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं संस्थानों के लगभग 200 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के विशेषज्ञ, विद्यार्थी, शोधार्थी, आईटी एवं उद्योग क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हैं। प्रो. इन्द्र मणी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्या का स्वरूप बदल गया है।

डॉ. आरपी कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में पुस्तकालय समाज की बौद्धिक रीढ़ है। वे केवल जानकारी प्रदान नहीं करते, बल्कि ज्ञान के निर्माण, आलोचनात्मक सोच और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। डॉ. सुखदेव सिंह ने प्रिंट मीडिया, डिजिटल मीडिया, डेटा एनालिसिस, एआई, ह्यूमन इंटेलिजेंस सहित पुस्तकालयों के महत्व और उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. राज कुमार ने आधुनिक तकनीकों के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने पर अपने विचार साझा किए। उद्घाटन सत्र में कॉन्फ्रेंस प्रोसिडिंग, कॉन्फ्रेंस स्मारिका तथा एएसएलआईपी कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। कॉन्क्लेव में हकृवि के पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. राजीव के पटेरिया ने सभी का स्वागत करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रुपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. सीमा परमार ने कार्यक्रम में धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया जबकि डॉ. कनिका रानी ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर पूर्व पुस्तकालय अध्यक्ष डॉ. बलवान सिंह सहित कुलसचिव, विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	09.01.2026	--	--

कार्यक्रम हकृवि में दो दिवसीय एएसएलआईपी कॉन्क्लेव संपन्न

डिजिटल युग में भी बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहें हैं पुस्तकालय

➪ पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नही बल्कि ज्ञान और सामाजिक विकास का माध्यम: प्रो. काम्बोज

जगमार्ग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय द्वारा एसोसिएशन ऑफ सीनियर लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन प्रोफेशनल्स के सहयोग से 'कोलबोरेटिव इंटेलिजेंस: बिल्डिंग स्मार्टर लाइब्रेरीज टुगेदर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय ए.एस.एल.आई.पी. कॉन्क्लेव-2025 संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। कॉन्क्लेव में ए.एस.एल.आई.पी. के अध्यक्ष डॉ. हरपी कुमार व सचिव डॉ. राज कुमार उपस्थित रहे। प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में कहा कि डिजिटल एवं ज्ञान आधारित युग में पुस्तकालयों की भूमिका निरंतर विस्तृत एवं परिवर्तनशील होती जा रही है। पुस्तकालय केवल पुस्तकों का भंडार नहीं बल्कि ज्ञान, नवाचार और सामाजिक विकास का माध्यम बन चुके हैं। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय शिक्षा, अनुसंधान, मनोरंजन और सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। पुस्तकालय ज्ञान का प्रसार और संरक्षण करने, संस्कृति और संस्कारों का विकास करने, समाज का बौद्धिक विकास करने में महत्त्वपूर्ण योगदान देते हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल युग में भी पुस्तकालय बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहें हैं।

उन्होंने बताया कि पुस्तकें शिक्षा का आधार और व्यक्तित्व विकास का सशक्त माध्यम हैं। ये हमें विविध विषयों की जानकारी, बेहतर संचार कौशल, एकाग्रता और तनाव मुक्ती प्रदान करती हैं। कुलपति ने बताया कि विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को अपने अध्ययन, शोध और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकालय एक उपयुक्त स्थल है। पुस्तकालय व्यक्ति के नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करते है।

उन्होंने बताया कि पुस्तकालय प्राचीन और आधुनिक पुस्तकों, पांडुलिपियों और दस्तावेजों को सुरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। लाइब्रेरी तेजी से स्मार्ट, सहयोगी और प्रौद्योगिकी संचालित ज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हो रही हैं। कृषि विज्ञान और इसके संबंध विषयों के क्षेत्र में लाइब्रेरी एक अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ये कृषि के बौद्धिक क्षेत्र के रूप में कार्य करती हैं जहां अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार गतिविधियों को समृद्ध करने के लिए ज्ञान बोया, उगाया और काटा जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	11.1.26	4	3-6

हकृवि के विभिन्न पी.एच.डी. कोर्सों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा संपन्न

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

हिसार, 10 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पी.एच.डी. कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर में बने परीक्षा केंद्र पर पुख्ता प्रबंध किए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज जिन पी.एच.डी. कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट, कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जुलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के परिसर में परीक्षा केंद्र बनाया था। इस प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था।

कुल 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	11-1-26	10	1-3

हकृवि में पीएचडी प्रवेश परीक्षा संपन्न, 542 में से 431 अभ्यर्थी हुए शामिल

हिसार, 10 जनवरी (हप्र)

हिसार के हकृवि में परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में शनिवार को विभिन्न पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इस परीक्षा के लिए कुल 542 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 431 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मुख्य परिसर में परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और परीक्षार्थियों की सुविधा को लेकर किए गए प्रबंधों की समीक्षा की।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि यह प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए आयोजित की गई। इनमें कृषि महाविद्यालय के एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रोनॉमी, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, सॉयल साइंस, प्लांट पैथोलॉजी, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट सहित कई विषय शामिल रहे। इसके अलावा कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय के विभिन्न विषयों के लिए भी परीक्षा आयोजित की गई। उन्होंने बताया कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी करवाई गई, ताकि पारदर्शिता बनी रहे। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न हुई और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। उन्होंने अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की कि पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिले से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट पर नियमित रूप से नजर बनाए रखें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.1.26	5	1

पीएचडी कोर्सों में दाखिले के लिए 79% छात्रों ने दी परीक्षा

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते वीसी प्रो. बीआर काम्बोज।

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पीएचडी कोर्सेज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डा. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि उन्होंने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.1.26		

एचएयू में पीएचडी के पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा में 79 प्रतिशत उपस्थिति

542 आवेदकों में से 431 ने दी परीक्षा, वीसी प्रो. बीआर कांबोज ने परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में शनिवार को विभिन्न पीएचडी पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। तय पाठ्यक्रमों के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, जिनमें से 431 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इस तरह परीक्षा में कुल उपस्थिति 79 प्रतिशत रही।

प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मुख्य परिसर में बनाए गए परीक्षा केंद्र पर पुख्ता इंतजाम किए गए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षार्थियों की सुविधाओं और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : विवि

कुलपति प्रो. कांबोज ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए एचएयू परिसर में ही परीक्षा केंद्र स्थापित किया गया था। परीक्षा को निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था, जिन्होंने पूरे समय परीक्षा प्रक्रिया पर निगरानी रखी।

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी कराई गई। उन्होंने अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों से अपील की कि पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिले से संबंधित नवीनतम और अद्यतन जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट hau.ac.in और admissions.hau.ac.in पर नियमित रूप से जानकारी लेते रहें।

इन पाठ्यक्रमों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया कि यह प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों के अनेक विषयों के लिए आयोजित की गई। इनमें कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फ्लोरीकल्चर एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमेटोलॉजी, एंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफॉरेस्ट्री, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट तथा बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरुग्राम) शामिल हैं। इसी तरह कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एंड पावर इंजीनियरिंग तथा रिन्यूएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में अपेरल एंड टेक्सटाइल साइंस सहित कई विषय शामिल रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.1.26	5	1-3

हकृवि के विभिन्न पीएचडी कोर्सों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा सम्पन्न

हिसार, 10 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पीएचडी कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर में बने परीक्षा केंद्र पर पुख्ता प्रबंध किए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज जिन पीएचडी कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरूग्राम), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्ट्डीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जुलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन, व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं। कुल 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने दी परीक्षा कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई।

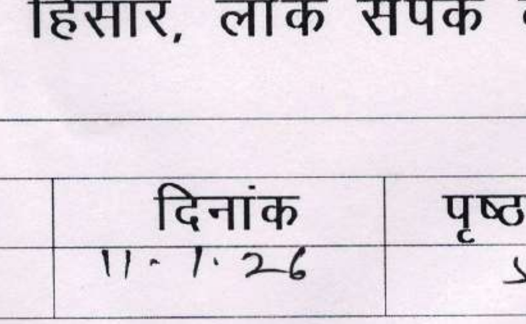

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केन्द्र का निरीक्षण करते हुए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	11.1.26	5	3-8

आवेदन करने वाले 542 विद्यार्थियों में से 431 ने दी परीक्षा

हकृवि के विभिन्न पीएचडी कोर्सों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में विभिन्न पीएचडी कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर में बने परीक्षा केंद्र पर पुख्ता प्रबंध किए थे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

हिसार। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज।

कुल 79 प्रतिशत विद्यार्थी पेपर देने आए

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला संबंधित नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट नियमित रूप से चेक करते रहें।

इन विषयों में होगी प्रतिस्पर्धा

कुलपति प्रो बीआर कम्बोज ने बताया कि शनिवार को जिन पीएचडी कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनोमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फ्लोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरुग्राम), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमिस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जूलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर आदि विषय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	11.01.2026	--	--

हकृवि के विभिन्न पीएचडी कोर्सों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 11 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पीएचडी कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर में बने परीक्षा केंद्र पर पुख्ता प्रबंध किए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज जिन पीएचडी कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरुग्राम), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्ट्डीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जुलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन, व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के परिसर में परीक्षा केंद्र बनाया था। इस प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था।

कुल 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला संबंधित नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in and admissions.hau.ac.in पर नियमित रूप से चेक करते रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	09.01.2026	--	--

हकृवि के पीएचडी कोर्सों में दाखिले के लिए 431 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पीएचडी कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते हुए व परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी।

इन पीएचडी कोर्सिज के लिए हुई प्रवेश परीक्षा

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज जिन पीएचडी कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फलोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरस्ट्री, प्लांट पेथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरूग्राम), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपेरल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं 'मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकेमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जुलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन, व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेक्नोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	09.01.2026	--	--

हकृवि के विभिन्न पीएचडी कोर्सों में दाखिले की प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को विभिन्न पीएचडी कोर्सिज के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्वक व व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने मुख्य परिसर में बने परीक्षा केंद्र पर पुख्ता प्रबंध किए थे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने परीक्षा केंद्र का दौरा किया और परीक्षार्थियों की सुविधा तथा परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि आज जिन पीएचडी कोर्सिज के लिए प्रवेश परीक्षा हुई, उनमें विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स, एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन एजुकेशन, एग्रीकल्चर मेटीयोरोलॉजी, एग्रोनॉमी, फ्रूट साइंस, फ्लोरिकल्चरल एंड लैंडस्केपिंग, जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, नेमोटोलॉजी, इंटोमोलॉजी, सिल्वीकल्चर एंड एग्रोफोरेस्ट्री, प्लांट पैथोलॉजी, सीड साइंस एंड टैक्नोलॉजी, सॉयल साइंस, वेजिटेबल साइंस, एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट व रूरल मैनेजमेंट (गुरूग्राम), कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय में सॉयल एंड वाटर कंजरवेशन इंजीनियरिंग, फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग व रिनुएबल एनर्जी इंजीनियरिंग, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में एपिरेल एंड टेक्सटाइल साइंस, एक्सटेंशन एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन मैनेजमेंट, फूड्स एंड न्यूट्रीशन, ह्यूमन डेवेलपमेंट एंड फैमिली स्टडीज व रिसोर्स मैनेजमेंट एंड कंज्यूमर साइंस, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में केमिस्ट्री, बायोकमस्ट्री, इनवायरमेंटल साइंस, माइक्रोबायोलॉजी, फिजिक्स, प्लांट फिजियोलॉजी, सोशियोलॉजी, स्टेटिक्स, जूलोजी, व फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में एक्वाकल्चर, एक्वाटिक एनिमल हेल्थ मैनेजमेंट, एक्वाटिक एनवॉयरमेंट मैनेजमेंट, फिश प्रोसेसिंग टेक्नोलॉजी, फिशरीज इकोनॉमिक्स, फिशरीज एक्सटेंशन, व फिशरीज रिसोर्स मैनेजमेंट तथा बायोटेक्नोलॉजी महाविद्यालय में एग्रीकल्चरल बायोटेकनोलॉजी, मोलिक्युलर बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी व बायोइन्फर्मेटिक्स विषय शामिल हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के परिसर में परीक्षा केंद्र बनाया था। इस प्रवेश परीक्षा के सफल आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया गया था।

कुल 79 प्रतिशत विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

कुलसचिव एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. पवन कुमार ने बताया कि उपरोक्त पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कुल 542 विद्यार्थियों ने आवेदन भरें, जिनमें 431 ने परीक्षा दी। परीक्षा के दौरान प्रत्येक परीक्षार्थी की फोटोग्राफी भी की गई। उन्होंने उम्मीदवारों व उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे उपरोक्त पीएचडी कार्यक्रमों में दाखिला संबंधित नवीनतम जानकारियों के लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट hau.ac.in and admis-sions.hau.ac.in पर नियमित रूप से चेक करते रहें।